

This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No.

8201

A

B.Ed.

Paper IV (h)

METHODS OF TEACHING—PHYSICS (B)

Time : 1½ Hours

Maximum Marks : 35

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

Note : Answers may be written either in English or in Hindi; but
the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **three** questions in all.

Question No. 1 is compulsory.

कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. "Teaching Physics with a fundamental belief of content being absolute as well as final, needs to be reflected upon." Comment on this statement describing the role of error in theorizing Physics.

“इस आधारभूत विश्वास के साथ भौतिकी को पढ़ाने का कि/विषय-वस्तु निरपेक्ष एवं अंतिम है, परावर्तन आवश्यक है।”

भौतिकी को सैद्धांतिक बनाने में त्रुटि की भूमिका का वर्णन करते हुए इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

2. Based on your school experience programme, discuss two of the most effective classroom strategies that you used for teaching physics at senior secondary level. 12

अपने विद्यालयी अनुभव वाले कार्यक्रम के आधार पर, वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर भौतिकी को पढ़ाने के लिए सबसे अधिक प्रभावी किन्हीं दो कक्षागत रणनीतियों की विवेचना कीजिए।

3. Curriculum at senior secondary level should be planned keeping in mind the diverse course and career options in higher education. Substantiate your views. 12

उच्च शिक्षा के विविध पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक विकल्पों के ध्यान में रखते हुए ही वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या की योजना बनाई जानी चाहिए। इस पर अपने विचारों की पुष्टि कीजिए।

4. Write short notes on any two : 12

(i) Aims of teaching physics at senior secondary level.

(ii) Scope of Science Technology Society (STS) education for human development

- (iii) Teacher's role in engaging students in scientific enquiry through practicum.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (क) वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर भौतिकी शिक्षण के लक्ष्य
- (ख) मानव विकास के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी सोसायटी की शिक्षा की व्याप्ति
- (ग) प्रयोगात्मक ढंग से वैज्ञानिक जाँच में छात्रों को लगाने में अध्यापक की भूमिका